ISSN 2645-8659

# आलेख

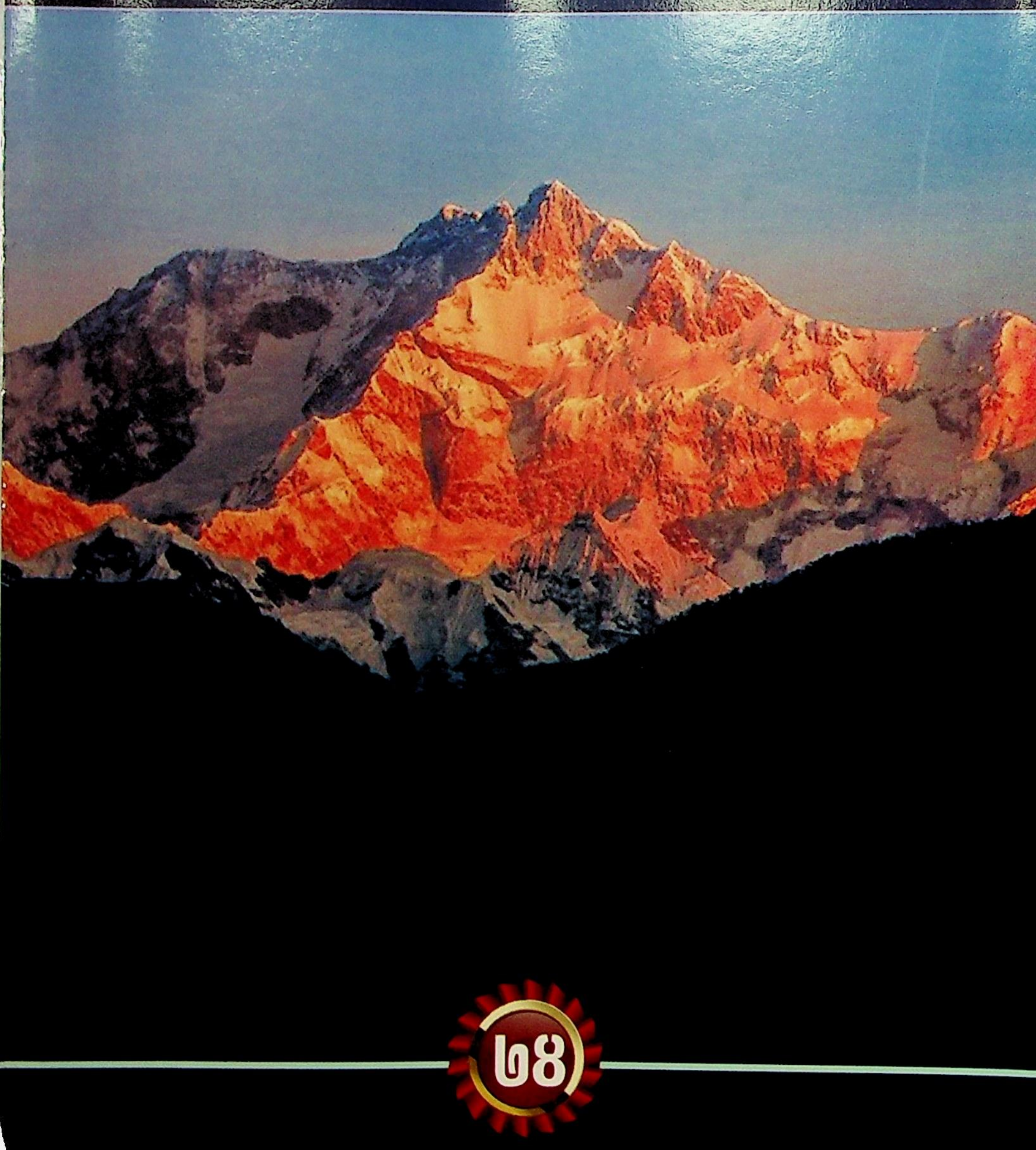

७४

## ... विषयसूची ...

### कविता/मुक्तक/गीत/गजल


| | | | |
|---|---|---|---|
| अँध्यारो दहमा उज्यालो खोज्ने मन | : | इन्द्रकुमार श्रेष्ठ सरित् | ५ |
| राष्ट्रिय काँडा | : | दिलीप श्रेष्ठ | ७ |
| मेरी किसान आमा | : | मोहम्मद नुरुल हुदा | ८ |
| जीवन शुन्य रहेछ | : | नारायण खनाल 'नीलम' | ९ |
| गजल | : | आशा लिम्बू | १० |
| लासको डायरी नियाल्दा | : | रमेश भट्टराई 'सहृदयी' | ११ |
| गीत | : | ईश्वरी कार्की वर्षा | १२ |
| जान्दैन साहित्य | : | कृष्णबहादुर बुढाथोकी | १३ |
| गजल | : | जमुना खरेल | १४ |
| प्रकृति र मानव | : | लता खरेल | १५ |
| लौ हेर त सावन | : | मुक्तिनाथ शर्मा 'शोषित' | १६ |
| आत्मज्ञान | : | बोधराज पौडेल | १७ |
| चार मुक्तक | : | कल्पना पौडेल 'जिज्ञासु' | १८ |
| जुगदी कलम | : | मनुहाङ किराती 'सोलु' | १९ |


### कथा/लघुकथा


| | | | |
|---|---|---|---|
| भालेहरू | : | दिलीप शाह | २० |
| दुई लघुकथा | : | महेश प्रसाई | २७ |
| जामुनको रूख | : | खगेन्द्र गिरि 'कोपिला' | २८ |
| गोरु पनि ब्याउँदो रहेछ | : | डा. टीकाराम पोखरेल | ३० |
| गुलाफको घमण्ड | : | डम्मरुबल्लभ गडतौला | ३१ |


### यात्रा/संस्मरण


| | | | |
|---|---|---|---|
| झुल्किएनन् डल्फिन | : | युवराज नयाँघरे | ३३ |
| मानसरोवर यात्राको एक स्मरण | : | दामोदरप्रसाद अर्याल | ३६ |
| स्वर्गद्वारीदेखि मोक्षधामसम्म | : | जीविका अश्रु | ४४ |


### समालोचना/समीक्षा


| | | | |
|---|---|---|---|
| कवि प्रदीप ज्ञवालीका कविताको ... | : | प्रा.डा. ऋषिराम शर्मा | ५४ |
| कृष्ण बाउसेको पयप्रिमको गुञ्जन | : | दिव्य गिरी | ५९ |


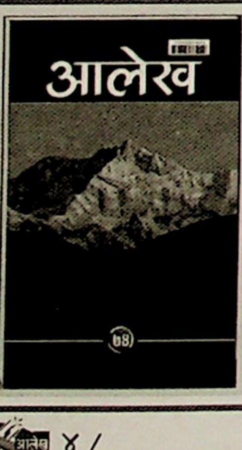


**आवरण चर्चा :**

कोसी प्रदेश, ताप्लेजुङ जिल्लामा अवस्थित कञ्चनजङ्घा नेपालको तेस्रो अग्लो हिमाल हो । ८५८६ मिटर अग्लो यो हिमालको मोहमा बर्सेनि ठूलो सङ्ख्यामा हिमाल आरोहीहरू यसलाई चुम्न पुग्छन् । कञ्चनजङ्घालाई धीतमरुञ्जेल हेर्नका लागि हजारौँ पदयात्रीहरू सुन्दर प्रकृतिसँग खेल्दै घुम्सा हुँदै कञ्चनजङ्घाको आधारशिविरसम्म पुग्छन् । पर्यटकहरूका खुसीको बिम्ब, कञ्चनजङ्घा र कञ्चनजङ्घाको काखले स्वर्गलाई बिर्साउँछ । तस्बिर : **सामाजिक सञ्जाल**